Class 10 Subject: hindi(kshitij) Topic-ch.5 (kriparam khidiya)

प्रश्न/उत्तर करो।

प्रश्न 3.
कवि के अनुसार किसके अभाव में कोई कार्य सिद्ध नहीं हो सकता है?
उत्तर:
पराक्रम और हिम्मत बिना कोई कार्य सिद्ध नहीं हो सकता।

प्रश्न 4.
दूध एवं नीर (जल) को कौन अलग-अलग कर सकता है?
उत्तर:
दूध तथा जल को केवल राजहंस ही अलग-अलग कर सकता है।

प्रश्न 5.
कवि के अनुसार किन-किन का उपाय पहले ही कर लेना चाहिए?
उत्तर;
कवि के अनुसार आग, शत्रु और रोग का उपाय पहले ही (आरम्भ में ही) कर लेना चाहिए।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 6.

कौन-सी जगह चंदन के वृक्ष बहुतायत में पाए जाते हैं?

उत्तर:

मलय गिरि पर चंदन के वृक्ष बहुतायत से पाए जाते हैं।

प्रश्न 7.

किसके घाव कभी नहीं भरते हैं?

उत्तर:

कटु वाणी द्वारा मन में हुए घाव कभी नहीं भरते हैं।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 8.

संकलित अंश के अनुसार किस नगर में नहीं रहना चाहिए?

उत्तर:

जिस नगर में खल, गुड़ तथा अन्न को एक जैसा महत्व दिया जाता हो उस नगर में नहीं रहना चाहिए। ऐसे नगर में मूर्ख और विद्वान, गुणी और गुणहीन सभी एक जैसे हो जाएँगे। जब बिना गुण तथा विशेषताओं पर ध्यान दिए सभी वस्तुओं या व्यक्तियों से एक जैसा व्यवहार किया जाता है तो स्वाभिमानी व्यक्ति का वहाँ निर्वाह नहीं हो सकता। ऐसे स्थान पर रहने से तो किसी जंगल में जाकर रहना अच्छा है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 9.

'अस्वाभाविक मित्रता के घातक परिणाम होते हैं संकलित अंश के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:

दो व्यक्तियों के बीच मित्रता तभी निभ सकती है जबकि वह दोनों के हित में और स्वाभाविक हो । यदि मित्रता स्वार्थ पर आधारित होगी और असमान स्वभाव वाले व्यक्तियों के बीच होगी हो वह अधिक दिन नहीं निभ पाएगी। संकलित अंश में चूहे द्वारा बिल्ली के साथ मित्रता किया जाना अस्वाभाविक मित्रता है क्योंकि वह शिकारी और शिकार की मित्रता है। चूहे के लिए यह मित्रता बहुत महँगी पड़ सकती है। बिल्ली कभी भी उसे अपना शिकार बना सकती है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 10.

जन्मजात प्रवृत्तियों में बदलाव असंभव है।' संकलित अंश के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:

हर प्राणी जन्म के साथ ही एक विशेष प्रकार का स्वभाव और आवरण लेकर आता है। यह उसका प्राकृतिक गुण होता है। इसे बदल पाना सम्भव नहीं होता। संकलित अंश में कवि ने इसे 'आक' नामक पौधे का उदाहरण देकर सिद्ध किया है। आक स्वाद में कड़वा होता है। यदि इसे शक्कर में पाग दिया जाय या इसे अमृत से सींचा भी जाय तब भी इसकी कड़वाहट दूर नहीं हो सकती क्योंकि वह उसकी जन्मजात विशेषता है। इसी प्रकार ईष्र्यालु या द्वेषी व्यक्ति के व्यवहार को भी बदल पाना सम्भव नहीं है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 11.

संकलित अंश के आधार पर हिम्मत एवं पराक्रम के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:

संकलित सोरठों में कवि कृपाराम खिड़िया ने पराक्रम और हिम्मत के महत्व को प्रकाशित किया है। पराक्रम का अर्थ वीरता या तन-मन की सामर्थ्य का प्रदर्शन करना है। इसके लिए मनुष्य में हिम्मत या साहस होना परम आवश्यक है। संसार में कोई कार्य बिना पराक्रम और हिम्मत के सफल नहीं हो सकता। सिंह अपने पराक्रम के बल पर ही मगराज

Scanned with CamScanner

बन पाता है। रंगे सियारों जैसे नकली पराक्रमियों को कितना भी जोश दिलाओ वे कभी सिंह जैसा पराक्रम नहीं दिखा सकते।

संसार में मनुष्य की कीमत उसकी हिम्मत से पता चलती है। हिम्मत दिखाने पर ही मनुष्य का सम्मान होता है। जिस व्यक्ति में साहस नहीं होता उसका कोई आदर नहीं करता। जैसे लोग रद्दी कागज को फेंक देते हैं उसी प्रकार कायर व्यक्ति की समाज में कोई इज्जत नहीं होती।

प्रश्न 12.

संकलित अंश के आधार पर वाणी के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:

प्रकृति ने वाणी के रूप में मनुष्य को एक अमूल्य उपहार दिया है। यह विशेषता अन्य जीवों को प्राप्त नहीं है। इस वाणीरूपी उपहार का प्रयोग मनुष्य को बहुत सोच-समझकर ही करना चाहिए। कवि के अनुसार मनुष्य को विचारपूर्वक

Scanned with CamScanner

हितकारी और मधुर वाणी का ही प्रयोग करना चाहिए। बोलते समय सही अवसर और स्थान का ध्यान रखना चाहिए। जो बात बिना उचित अवसर का ध्यान रखे कही जाती है उसे लोग पसंद नहीं करते। वाणी द्वारा ही मनुष्य समाज में सम्मान या उपेक्षा प्राप्त करता है। कोयल अपनी मधुर वाणी से सभी के मन में प्रेमभाव और प्रसन्नता उत्पन्न कर देती है और कौआ अपनी कर्कश काँव-काँव से सभी को बुरा लगता है।

अनुभवी लोगों का कहना है कि संसार में सभी प्रकार की चोट, पीड़ा और तलवार के घाव को भी ठीक करने के उपाय हैं। किन्तु कटु और कठोर वाणी से मन में जो घाव (कष्ट) हो जाता है वह किसी भी औषधि से ठीक नहीं हो पाता। जीवनपर्यन्त उसकी याद पीड़ा देती रहती है।
इस प्रकार मानव जीवन में वाणी का बहुत महत्व है। इसका प्रयोग सावधानी से करना चाहिए।

Scanned with CamScanner